रोट लावण आई बाबा तेरे नाम का गुरु गोरखनाथ जी भजन

खोल दे दरवाजा तेरे,
धूणे धाम का,
रोट लावण आई,
बाबा तेरे नाम का।bd।

तर्ज – एक परदेसी मेरा।

बाहर खड़ी मै कदकी पुकारूं,
धीरज दिल म्ह कैसे धारूं,
कैसे धारूं,
मारै सै थपेड़े बाबा,
मौसम घाम का,
रोट लावन आई,
बाबा तेरे नाम का।bd।

जै कोए खता मेरे पै होरी,
कान पकड़कै बोलूं सोरी,
बोलूं सोरी,
बेटी नै सतावै बाबा,
क्यांतै खामखाँ,
रोट लावन आई,
बाबा तेरे नाम का।bd।

ओटया था तेरा रोट लगाणा,
पड़ेगा भोजन आकै खाणा,
आकै खाणा,
खट्टा मीठा ल्याई सूं,
अचार आम का,
रोट लावन आई,
बाबा तेरे नाम का।bd।

मेहर सिंह की शरण पड़कै,
गजेन्द्र स्वामी टीले पै चढ़ कै,
टील्ले पै चढ़ कै,
मस्ती मैं गाग्या ख्याला,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अमृत जाम का,
रोट लावन आई,
बाबा तेरे नाम का।bd।

खोल दे दरवाजा तेरे,
धूणे धाम का,
रोट लावण आई,
बाबा तेरे नाम का।bd।

लेखक / प्रेषक – गजेन्द्र स्वामी कुड़लण।
9996800660
गायक – लकी शर्मा।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com